tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çsd %
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh

Øekd 82
fnukd 01-07-2017

tuÑfofo e lk<s ikp gtkj xM<s r\;kj gj
lnL; yxk;xk 10&10 ik/k

tcyi|j 01 tykbA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आज 2 जुलाई को नमामि देवी नर्मदे कार्यक्रम के अन्तर्गत 5000 पौधों का रोपण किया जायेगा। इस हेतु आटोमेटिक मशीन से लगभग साढ़े पांच हजार गड्ढे तैयार कर लिये गये हैं। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कुलसचिव ए.के. इंगले, अधिश्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के. बिसेन, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि अभियंत्रिकी संकाय डॉ. राजेन्द्र कुमार नेमा, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, कार्यपालन यंत्री इंजी. श्री पी.के. सिंह, डॉ. शेखर सिंह बघेल एवं कृषि वैज्ञानिकों के साथ स्थल भ्रमण किया। समग्र कृषि नगर कैम्पस में वैज्ञानिक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्रगण 10–10 पौधों का रोपण करेंगे। प्रमुख रूप से फलों के राजा आम की विभिन्न किस्में जैसे आम्रपाली, दशहरी, अमरूद की किस्में, सागौन, करौंदा, मुनगा (उत्तम पोशक तत्व प्रदान करने वाले) सीता अशोक, प्राइड आफ इंडिया, नीम, पुत्तजीवा, अमलतास, बेल, कटहल, ऑवला एवं जामुन आदि का वृहद स्तर पर पौध रोपण होगा। इस हेतु समग्र तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। वृक्षारोपण हेतु वि.वि. में जबदस्त उत्साह का माहौल व्याप्त है ।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çsd %   Øekad 83
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh   fnukad 02-07-2017

tuÑfofo esa pIIk&pIIk esa gjvk ogn o{kkjksi.k
çkbM vkQ bafM;k lfgr jksis x, 5000 ikS/ks

ekuo lemgks }kjk fd;k x;k o{kkjksi.k egk;K
&çks- rkse j

tcyi|j 02 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आज नमामि देवी नर्मदे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के 5000 पौधों का रोपण किया गया। इस हेतु पूर्व में ही आटोमेटिक मशीन से लगभग साढ़े पांच हजार गड्ढे तैयार कर लिये गये थे। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने कुलसचिव ए.के. इंगले, लेखानियत्रंक अनिल के ारवानी, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी. के. बिसेन, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृशि महाविद्यालय डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृशि अभियंत्रिकी संकाय डॉ. राजेन्द्र कुमार नेमा, अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी, डॉ. शेखर सिंह बघेल, कार्यपालन यंत्री इंजी. श्री पी.के. सिंह, विभागाध्यक्ष एवं कृशि वैज्ञानिक अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्रों के साथ उत्साह पूर्वक वृक्षारोपण किया। समग्र कृशि नगर कैम्पस, विवि मुख्यालय, कृशि महाविद्यालय, कृशि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, प्रक्षेत्र, उद्यान, छात्रावासों, चिकित्सालय प्रक्षेत्र एवं कृशि नगर रहवास कालोनी सहित विभिन्न स्थानों पर प्रमुख रूप से फलों के राजा आम की विभिन्न किस्में जैसे आम्रपाली, दशहरी, अमरूद की किस्में, सागौन, करौंदा, मुनगा (उत्तम पोशक तत्व प्रदान करने वाले) सीता अशोक, प्राइड आफ इंडिया, नीम, पुत्तजीवा, अमलतास, बेल, कटहल, ऑवला एवं जामुन आदि का वृहद स्तर पर पौध रोपण किया गया। bl ekSds ij dqyifr çks- fot; flag rkej us dgk fd ekuo lemgks }kjk fd;k x;k o{kkjksi.k ,d cM+k egk;K gSA ;g ,d ,frgkfld le; gS ftls vkus okyh ihf<+;k o"kksZ rd ;kn j[ksaxh vkSj yxkrkj çj.kk ysaxhA tuÑfofo ds fofHkUu oKkfud f'k{kd vkSj deZpkjh lxBuksa }kjk Hkh J)k ,o mRlkg iwoZd o{kkjksi.k fd;k x;kA

वृक्षारोपण हेतु विश्वविद्यालय में जबदस्त उत्साह का माहौल देखने को मिला। आज प्रातः से ही वृक्षारोपण का जो सिलसिला आंरभ हुआ वो देर भाम तक चलता रहा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyij
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çs"kd % Øekd 084

lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukd 07-07-2017

---

e/;çn'k d 12 Ñf"k egkfo|ky;k dh 822 lhVk gr 9 gtkj vH;Fkh vk;x
dkmlfyx gr çkf/kdj.k xfBr

tcyij] 07 tykbA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के तहत मध्यप्रदेश के 12 कृषि महाविद्यालयों की 822 सीटों में प्रवेश हेतु लगभग 9 हजार अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पारदर्शिता लाने एक काउंसलिंग प्राधिकरण का गठन किया गया है। प्राधिकरण के अध्यक्ष संबंधित कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति होंगे तथा दोनों कृषि विश्वविद्यालय के अधिश्ठाता संकाय, कुलसचिवगण एवं संयुक्त संचालक कृषि सदस्य होंगे। कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर की अध्यक्षता एवं कुलपति प्रो. ए.के. सिंह ग्वालियर के मुख्य आतिथ्य में आज दोंनो विश्वविद्यालयों की संपन्न संयुक्त बैठक में आगामी काउंसलिंग प्रक्रिया पर गहन विचार–विमर्श किया गया। डॉ. संजीव गर्ग ने संचालन एवं रजिट्रार श्री अशोक कुमार इंगले ने आभार व्यक्त किया। बैठक में अधिश्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संयुक्त संचालक कृषि जबलपुर श्री के.एस. नेताम, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता डॉ. आर.के. नेमा, उपसंचालक शिक्षण डॉ. अभिशेक शुक्ला, क्रिस्प के असि. मैनेजर लोकेश शर्मा आदि शामिल थे। बैठक के निर्णयानुसार काउंसलिंग से लेकर एडमीशन तक की पूर्ण ऑनलाईन प्रक्रिया भोपाल की क्रिस्प संस्था सम्पन्न करवायेगी। लगभग एक माह के बाद काउंसलिंग शुरू होगी। आगामी 15 दिन के भीतर विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारियों को दस्तावेज सत्यापन की ट्रेनिंग दी जायेगी। प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पीएटी 2017 के घोषित परिणामों में मेरिट के आधार पर निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त छात्र बी.एस.सी. कृषि / वानिकी / उद्यानिकी / बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आफ कैम्पस काउंसलिंग में इंटरनेट के माध्यम से सम्मिलित हो सकते हैं।

bu egkfo|ky;k e feyxk ço'k & उल्लेखनीय है कि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय जबलपुर, रीवा टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासिवनी एवं पवारखेड़ा व कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर तथा राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खंडवा एवं मंदसौर इत्यादि में प्रवेश दिया जायेगा। जबलपुर में 510 तथा ग्वालियर में 312 सीट उपलब्ध हैं। इनमें पेमेन्ट सीट भी शामिल हैं। इस वर्श जनेकृविवि जबलपुर द्वारा काउंसलिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया नियमानुसार सम्पन्न कराई जायेगी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि बी.एससी. (कृषि / उद्यानिकी / वानिकी) एवं बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) की सम्पूर्ण जानकारी हिन्दी / अंग्रेजी भाषा में दोनो विश्वविद्यालय एवं क्रिस्प की वेवसाईट पर उपलब्ध कराई जावेगी।

अभ्यार्थियों को ऑनलाईन पंजियन, दस्तावेजों की चेक लिस्ट दोनो विश्वविद्यालय की वेवसाइट पर उपलब्ध कराई जायेगी। ऑनलाईन पंजीयन करते समय अभ्यार्थियों द्वारा स्वयं का मोबाईल नम्बर एवं ई–मेल आई.डी. निर्धारित प्रपत्र में भरा जावे। जिससे एस.एम.एस. द्वारा जानकारी शीघ्रता से उपलब्ध हो सके। क्रिस्प भोपाल द्वारा छात्रो को सीट आवंटन की जानकारी एस.एम.एस के माध्यम से उपलब्ध कराने के पश्चात रिक्त सीटो का विवरण हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से दोनो कृषि विश्वविद्यालयों की वेवसाइट पर भी तत्काल उपलब्ध कराया जायेगा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

çskd %   Øekad 085
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh   fnukad 06-07-2017

Ñf"k Nk= 6 ekg jgsaxs dSEil ls ckgj xkao esa ysaxs [ksrh dk tehuh vuqHko

tcyiqj 06 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के तहत कृषि महाविद्यालयों के लगभग 96 छात्र–छात्राएं 6 माह के लिये कैम्पस से दूर रहकर गांव में खेती का जमीनी अनुभव प्राप्त करेंगे। दरअसल ये इन छात्रों की पढ़ाई का ही एक हिस्सा है जिसमें प्रैटिकल के दौरान छात्र खेती के असली हुनर से रूबरू होते हैं। अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, कृषि शिक्षक एवं कृषि वैज्ञानिक– डॉ. एस.के. अग्रवाल प्रभारी रावे अधिकारी कार्यक्रम, डॉ. एम.के. दुबे, डॉ. एम.एल. केवट, डॉ. के.के. अग्रवाल, प्रो. एन.पी. शर्मा, प्रो. ए.आर. वासनीकर, डॉ. आर.एस. मरावी, डॉ. (श्रीमति) सीमा नबेरिया एवं सुश्री मीनाक्षी रामगिरी ने छात्रों के वृहत दल को खास समझाइश के साथ भावभीनी विदाई दी।

इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने कहा कि ये छात्र–छात्राएं कृषि विकास हेतु राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर भविष्य में वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, कृषि विस्तार अधिकारी एवं कृषि कार्यकर्ता आदि की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

छात्रों के दल कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर, सिवनी, छिन्दवाड़ा, कटनी एवं डिंडौरी के लिये प्रस्थित हुए हैं, जोकि 6 माह तक कृषकों के साथ मिलकर कृषि के विभिन्न पहलुओं एवं कृषि कार्यो के व्यवहारिक ज्ञान का अनुभव एवं दक्षता हासिल करेंगे। साथ–साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न ग्रामीण योजना एवं कृषि विकास परियोजनाओं से रूबरू होंगे।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çs"kd % Øekad 088
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh fnukad 17-07-2017

tuÑfofo e: vkbllh,vkj dkV: dh lhVks gr| dkÅalfyx 'k|: çoa'k gr| n:'kHkj l: igqpa Nk=

tcyi|j 17 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आज आईसीएआर कोटे की सीटों हेतु विवेकानन्द हॉल में आज से दो दिनी काऊंसलिग शुरू हो गई है। प्रवेश हेतु देशभर से छात्रों का आगमन होने लगा है। अधिश्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, रजिट्रार श्री अशोक कुमार इंगले, संचालक अनुसंधान एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा, उपसंचालक शिक्षण डॉ. अभिशेक शुक्ला आदि के मार्गदर्शन में अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारियों की टीम ने दस्तावेजों का सत्यापन किया। आईसीएआर के कोटे में वानिकी 4, स्नातक कृषि 39, स्नातकोत्तर कृषि 37, बी.टेक 11 तथा एम.टेक 6 सीटे उपलब्ध हैं। छात्रों को कृषि महाविद्यालय जबलपुर, रीवा, टीकमगढ़ व गंजबसौदा में प्रवेश दिया जायेगा। दूसरी ओर अधिष्ठाता सभागार में संयुक्त ऑनलाईन प्रवेश परीक्षा उपरान्त स्नातकोत्तर कृषि में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ की गई। यहां दस्तावेजों का सत्यापन किया गया।

इसके अलावा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के तहत मध्यप्रदेश के 12 कृषि महाविद्यालयों की 822 सीटों में प्रवेश हेतु अगले माह होने वाली काऊंसलिग हेतु विभिन्न महाविद्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारियों को दस्तावेज सत्यापन की ट्रेनिंग दी गयी। इसमें जनेकृविवि जबलपुर एवं राविसिंकृविवि ग्वालियर सहित प्रदेश के 12 कृषि महाविद्यालयों के अधिश्ठातागण, अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारी शामिल हुये। यह ट्रेनिंग भोपाल की क्रिस्प संस्था के विशेशज्ञों द्वारा दी गई।

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पीएटी 2017 के घोषित परिणामों में मेरिट के आधार पर निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त छात्र बी.एस.सी. कृषि/वानिकी/उद्यानिकी/बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आफ कैम्पस काउंसलिंग में इंटरनेट के माध्यम से सम्मिलित होंगे।

उल्लेखनीय है कि जनेकृविवि जबलपुर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय जबलपुर, रीवा टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासिवनी एवं पवारखेड़ा व कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर तथा राविसिंकृविवि ग्वालियर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खंडवा एवं मंदसौर इत्यादि में प्रवेश दिया जायेगा। जबलपुर में 510 तथा ग्वालियर में 312 सीट उपलब्ध हैं। इनमें पेमेन्ट सीट भी शामिल हैं। इस वर्श जनेकृविवि जबलपुर द्वारा काउंसलिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया नियमानुसार सम्पन्न कराई जायेगी।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
lpuk ,o tulEid foHkkx

ç'kd % Øekd 089
lpuk ,o tulEid vf/kdkjh fnuk d 20-07-2017

Tk u Ñf"k fo fo n'k e 12o ucj ij
vf/kdkjh oKkfudk ,o de pkfj;k e g"k

tcyi|j 20 t|ykbA कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार की सर्वोच्च संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के 89वें में स्थापना दिवस के अवसर पर पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर 57 कृषि एवं संबंधित विश्वविद्यालयों को रैंकिंग प्रदान की गई। इसमें जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय को राश्ट्रीय स्तर पर स्टेट एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में 12वाँ स्थान प्राप्त हुआ है तथा राश्ट्रीय स्तर में सभी कृशि, पशुचिकित्सा एवं अन्य विश्वविद्यालयों में 18वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु राश्ट्रीय स्तर पर सभी कृशि एवं सबंधित विश्वविद्यालयों के द्वारा शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार के क्षेत्र में पिछले पांच वर्शों में किये गये कार्यों की जानकारी के आधार पर चयन किया जाता है। इस हेतु सभी विश्वविद्यालय के निर्धारित कठिन मापदण्डों पर खरा उतरना होता है। जिसमें 5 वर्शों के अनुसंधान, भाोध पत्रों का प्रकाशन, छात्र–छात्राओं का जूनियर एवं सीनियर रिसर्च फैलोशिप में चयन, फैकल्टी का प्रदर्शन, कृशि विस्तार के कार्य, राश्ट्रीय व अंतर्राश्ट्रीय स्तर के विश्वविद्यालय संस्थाओं से कृशि से संबंधित गतिविधियों हेतु एम.ओ.यू. किया जाना आदि। सभी महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखकर सर्वोत्तम प्रदर्शन किया एवं राश्ट्रीय स्तर पर 12वाँ नबंर प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय में खुशी का वातावरण है।

इस अतिमहत्वपूर्ण उपलब्धि पर जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर ने समस्त संचालक, अधिश्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को आत्मीय धन्यवाद एवं बधाई दी, प्रो. तोमर ने बाताया कि कृशि के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को लगातार 4 वर्शों से राश्ट्रीय कृशि कर्मण पुरूश्कार प्राप्त होना एवं सर्वोत्तम स्थान प्राप्त होने में जवाहरलाल नेहरू कृशि विश्वविद्यालय का अमूल्य योगदान है और यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में किये गये शिक्षा, अनुसंधान व विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखरीय कार्यों के कारण प्राप्त हुई है। सभी से अपेक्षा है कि कार्यों में तेजी व गुणवत्ता बढ़ाये ताकि विवि उच्च रैंकिंग प्राप्त कर सके। इस उपलब्धि हेतु प्रो. तोमर ने मध्यप्रदेश शासन एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली से भरपूर सहयोग एवं वित्तीय सहायता उपतब्ध कराने हेतु बधाई दी।

विगत 5 दशकों से विश्वविद्यालय कृशि शिक्षा अनुसंधान व विस्तार कार्यक्रमों के माध्यम से कृशि विकास में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सभी प्रशासनिक अधिकारी कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, अधिश्ठाता कृशि संकाय डॉ. पी.के मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवाऐं एवं संचालक शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवाऐं डॉ. डॉ. पी.के बिसेन, अधिश्ठाता कृशि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. आर.के नेमा, अधिश्ठता कृशि महाविद्यालय, डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता आदि ने बधाई दी।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lapuk ,oa tulEidZ foHkkx

çs"kd % Øekad 090
lapuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 20-07-2017

tuÑfofo ds Nk= gSnjkckn esa djsaxs eDdk chtksRiknu

tcyiqj 20 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के.बिसेन, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के प्यासी तथा सहायक छात्र कल्याण अधिकारी एवं प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. अनय रावत द्वारा हैदराबाद स्थित एस.एम. सहगल सीड़ फाउंडेशन एवं हाईटेक सीड कंपनी इक्रीसेट संस्थान द्वारा तकनीकी पद प्रशिक्षु वैज्ञानिक पद हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। उक्त संस्था इक्रीसेट हैदराबाद के सहयोग से उन्नत बीज उत्पादन में अग्रणी संस्था है। सहायक छात्र कल्याण अधिकारी एवं प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. अनय रावत के अनुसार पादप प्रजनन एवं अनुवांशिकी विभाग तथा शस्य विज्ञान विभाग के लगभग 20 छात्र–छात्राओं द्वारा व्यक्तिगत साक्षात्कार दिया गया। साक्षात्कार उपरांत चयनित छात्र–छात्राओं को हैदराबाद में मक्का, ज्वार, बाजरा के प्रजनक बीज उत्पादन एवं प्रक्षेत्र संचालन का प्रशिक्षण दिया जावेगा। व्यक्तिगत साक्षात्कार कंपनी के वरिष्ठ निदेशक डॉ. मुरलीधर गुप्ता द्वारा लिया गया। साक्षात्कार संपन्न कराने में अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के शैलेन्द्र रजक, यशवन्त सिंह राजपूत एवं एस.पी. त्रिपाठी का विशेष योगदान रहा।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidl foHkkx

çskd %   Øekd 091
lpuk ,o tulEidl vf/kdkjh   fnukd 22-07-2017

eç d 12 Ñf"k egk- dh 822 lhVk gsrq vkWuykbu çosa'k çfØ;k 'kq: yxkrkj 8 vxLr rd pysxh iwjh çfØ;k

tcyiqj] 22 tqykbA मध्यप्रदेश के 12 कृषि महाविद्यालयों की 822 सीटों में प्रवेश हेतु आज (22 जुलाई) से ऑनलाईन प्रक्रिया शुरू हो गई है जो कि 8 अगस्त 2017 तक लगातार चलेगी। प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पीएटी 2016 के घोषित परिणामों में मेरिट के आधार पर निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त छात्र जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर में बी.एस. सी. ऑनर्स कृषि/वानिकी/ उद्यानिकी/बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी) आदि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आफ कैम्पस काऊंसलिंग में इंटरनेट के माध्यम से सम्मिलित हो सकते हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 22 से 31 जुलाई रात 12 बजे तक ऑनलाईन रजिट्रेशन एवं इच्छित महाविद्यालयों के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाईन चयन एवं शुल्क का भुगतान होगा। 24 जुलाई से 01 अगस्त तक निर्धारित केंद्रों पर दस्तावेजों का सत्यापन होगा। 4 से 8 अगस्त तक आवंटन पत्रों की ऑनलाईन उपलब्धता एवं काऊंसलिंग शुल्क का भुगतान करना होगा। 5 अगस्त को वानिकी पाठ्यक्रम हेतु जबलपुर में शारीरिक परीक्षण होगा तथा 5 से 8 अगस्त तक आवंटित महाविद्यालय में उपस्थिति एवं प्रवेश होगा। प्रवेश संबंधी सम्पूर्ण जानकारी जनेकृविवि जबलपुर की बेवसाईट www.jnkvv.org एवं राविंसिकृविवि ग्वालियर की बेवसाईट www.rvskvv.net तथा www.crisponlineservices.com पर उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय जबलपुर, रीवा टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासिवनी एवं पवारखेड़ा व कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर तथा राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय ग्वालियर, इन्दौर, सीहोर, खंडवा एवं उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर इत्यादि में प्रवेश दिया जायेगा। जबलपुर में 510 तथा ग्वालियर में 312 सीट उपलब्ध हैं। इनमें पेमेन्ट सीट भी शामिल हैं। व्यापम द्वारा आयोजित पीएटी परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को मैरिट के आधार पर काऊंसलिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा।

काऊंसलिंग में शामिल होने हेतु पीएटी 2017 में प्राप्त प्राप्तांक अनारक्षित श्रेणी हेतु न्यूनतम 100 अंक तथा महिलाओं हेतु न्यूनतम 78 अंक होना जरूरी है। इसी प्रकार अनु. जाति महिला हेतु 76 एवं पुरूष हेतु 77 अंक। अनु. जनजाति महिला हेतु 76 अंक एवं पुरूष हेतु 78 अंक। अन्य पिछड़ा वर्ग महिला में 89 एवं पुरूष हेतु 100 अंक आवश्यक हैं।

प्रवेश हेतु प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश, भोपाल पी.ए.टी. 2017 पुस्तिका में दिये गये प्रवेश नियमों का पालन किया जावेगा। अभ्यर्थियों का आनलाईन रजिस्ट्रेशन निर्धारित अवधि में किया जाना आवश्यक है। जिन अभ्यार्थियों ने निर्धारित अवधि में ऑन–लाईन रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। वे अभ्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं किये जावेगे। B.Sc. (Forestry) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रत्याशियों को प्रवेश के पूर्व व्यापम पी.ए.टी.–2017 नियम पुस्तिका के बिन्दु क्र. 2.8 पर दर्शाये गये शारीरिक योग्यता को प्राप्त करना आवश्यक होगा एवं शारीरिक परीक्षण में सफल होने पर ही अभ्यर्थी आवंटित सीट पर प्रवेश के पात्र होगें। B.Sc. (Forestry) पाठ्यक्रम के लिए आवंटन प्राप्त अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षण हेतु दिनांक 05 अगस्त 2017 को प्रातः 7.00 बजे कृषि महाविद्यालय, जबलपुर में उपस्थित होना होगा। पेमेन्ट सीट पर उन्ही अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता होगी जिन्होने प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश, भोपाल पी.ए.टी. 2017 में

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,oa tulEidZ foHkkx

आवेदन करते समय पेमेंट सीट के ऑप्शन पर टिक किया होगा या Yes लिखा होगा एवं अभ्यर्थियो का नाम व्यापम पेमेंट सूची में अनिवार्य रुप से होना आवश्यक है। सभी पाठ्यक्रमो के लिए दस्तावेजो के सत्यापन हेतु निर्धारित केन्द्र निम्नानुसार रहेंगे– कृषि महाविद्यालय, जबलपुर/रीवा/टीकमगढ/गंजबासौदा/वारासिवनी/पवारखेडा/ग्वालियर/इन्दौर/सीहोर/खण्डवा व उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर/कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर। प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश, भोपाल पुस्तिका 2017 में दर्शाये गये प्रारुप अनुसार ही वांछित प्रमाण–पत्र लाना अनिवार्य होगा। प्रथम चक्र की काउंसिलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शेष रिक्त सीटो का महाविद्यालयवार एवं श्रेणी वार जानकारी www.jnkvv.org, www.rvskvv.net एवं www.crisponlineservices.com पर प्रदर्शित किया जावेगा एवं रिक्त सीटो का आवंटन द्वितीय चक्र में जिन अभ्यर्थियो के दस्तावेजो का सत्यापन पूर्व में हो चुका है उन्ही अभ्यर्थियो में से मेरिट के आधार पर ऑन लाईन आवंटन किया जावेगा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyi|j
l|puk ,o tulEid foHkkx

çsd %
l|puk ,o tulEid vf/kdkjh

Øekd 092
fnukd 24-07-2017

tuÑfofo dk xktj?kkl eqDr ifjlj cukus dk vfHk;ku 'kq: 250 Nk=ksa us xktj?kkl m[kkMdj dh 'kq:vkr

tcyi|j] 24 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय को गाजरघास मुक्त परिसर बनाने हेतु कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में गाजरघास मुक्त अभियान की शुरूआत विवि के अन्तर्गत आने वाले कृषि एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में की गई है। 27 जुलाई तक चलाने वाले इस अभियान में विवि के अधिकारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र—छात्राएं भागीदारी कर रहे है। अभियान की सफलता हेतु छात्रों की जानकारी के लिये गाजरघास संबंधी वीडियों एवं विशेशज्ञों के व्याख्यान भी होगें। सप्ताह के शुरूआत में कृषि महाविद्यालय जबलपुर की अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, डॉ. एम.एल. केवट, नोडल अधिकारी डॉ. अमित झा, डॉ. स्तुति मिश्रा, श्री राहुल डोंगरे एवं लगभग 250 छात्रों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसर में गाजरघास उखाड़ने में अपनी स्वैच्छिक और सक्रिय सहभागिता की।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çskd % Øekad 093
lpuk ,o tulEidZ vf/kdkjh fnukad 27-07-2017

xktj?kkl vke tuekul ds fy;s ?kkrd

xktj?kkl çca/ku ij Mk- lq'khy dqekj dk O;k[;ku vkSj ohfM;ks fQYe dk çn'kZu

tcyiqj] 27 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद के खरपतवार अनुसंधान निर्देशालय के गाजरघास विशेशज्ञ डॉ. सुशील कुमार द्वारा गाजरघास क्या है, भारत में प्रवेश, प्रमुख समस्यायें फसलों के साथ–साथ आम जनमानस में होने वाली बीमारियों व समस्याओं ही जानकारी एवं सक्रिय भागीदार से कारगर रोकथाम आदि की विस्तार से जाकनारी दी गई।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. सुशील कुमार, अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता एवं अधिश्ठाता छात्र कल्याण डॉ. व्ही.के. प्यासी का पुश्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने बताया जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय सिंह तोमर के मार्गदर्शन में 21 से 27 जुलाई तक गाजरघास उन्मुलन व जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विवि परिसर को गाजरघास से मुक्त करने हेतु प्रत्येक अधिकारी अधिकारी, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं भागीदारी कर रहे हैं। इस हेतु विवि के कुलसचिव श्री अशोक कुमार इंगले, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक अनुसंधान सेवायें एवं शिक्षण डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. पी.के.बिसेन, अधिष्ठाता कृशि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. आर.के. नेमा, समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं का विशेश सहयोग व सानिध्य प्राप्त हो रहा है।

गाजरघास के उन्मुलन हेतु विवेकानन्द सभागार में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 200 छात्र–छात्राओं की भागीदारी रही। इस दौरान गाजरघास की समस्या एवं समाधान के उद्देश्य से डॉ. एस.एस. बघेल द्वारा निर्मित गाजरघास प्रबंधन वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन छात्र कल्याण अधिकारी कृशि महाविद्यालय डॉ. शेखरसिंह बघेल एवं राश्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. डी.के. सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एन.सी.सी. गर्ल्स बटालियन की डॉ. स्तुति मिश्रा, डॉ. अमित झा एवं आलोक राजपूत का विशेश सहयोग रहा।

&000&

tokgjyky ug# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lpuk ,o tulEidZ foHkkx

çsl uksV %
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh

Øekad 094
fnukad 27-07-2017

Ñf"k vfHk;kaf=dh ekax fo'o Hkj esa c<+h gS& MkW- usek
Ñf"k vfHk;kaf=dh egkfo|ky; dk 51oka LFkkiuk fnol lekjksg % n'kd fonsa'k ls 'kkfey gq, Hkkrh;ksa Nk=

tcyiqj] 27 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि वि वविद्यालय स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के 51वें स्थापना दिवस समारोह में पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र कुमार नेमा ने कहा वर्तमान कृशि पूर्णतः तकनीक पर आधरित हो गई है ऐसे में कृशि अभियंताओं की जिम्मेदारी और मांग वि व भर में बढ़ गई है। इस क्षेत्र में अभी बहुत अनुसंधान ि ाक्षण और विस्तार कार्य किया जाना शेष है। यहां के विद्यार्थी भविष्य के ि ाक्षक वैज्ञानिक और कुलपति हैं। जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तरा ाना जरूरी है। इस हेतु हमें स ाक्त चुनौती बनकर उभरना होगा। उन्होंने आगे कहा कि तकनीक के अभाव में प्रतिवर्ष किसान की कड़ी मेहनत से उगाया गया हजारों टन खाद्यान्न नष्ट हो जाता है। इस हेतु हमें भंडारण हेतु आधुनिक यंत्र और तकनीक विकसित करने होंगे।

इस मौके पर 50 वर्श पूर्व 1967 बैच के छात्रों ललितराज वर्मा अमेरिका, अनिल वर्मा भिलाई छग, जगदीश प्रसाद नेमा पुणे महाराश्ट्र, बी.बी. पटेल, आनन्द मोहन नायक, जे.पी. कटियार, अरविन्द्र तिवारी, प्रमोद अग्रवाल, प्रमोद सिंघई, डी.के. खरे, ए. एस. पटेल एवं श्री पीधाजी आदि ने अपने उदगार में गत 5 दशकों यादों को ताजा करते हुये संघर्श, ि ाक्षा, और तरक्की के अनुभवों को सांझा किया। वर्तमान स्नातकोत्तर छात्रों ने उनका स्वागत किया और सफल भविश्य हेतु अनेक सवाल–जबाव कर मार्गद िन प्राप्त किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र कुमार नेमा, विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. मोहन सिंह एवं डॉ. ए.के. राय सहित बड़ी संख्या में ि ाक्षक, कर्मचारी और छात्र भाामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ए.के बाजपेई एवं आभार प्रद िन डॉ. आर.के. दुबे ने किया।

&000&

tokgjyky usg# —f"k fo'ofo|ky;] tcyiqj
lwpuk ,oa tulEidZ foHkkx

ç'kd % Øekad 095
lwpuk ,oa tulEidZ vf/kdkjh fnukad 31-07-2017

tuÑfofo esa ns'k&fons'k ds Nk=kvksa us ,xzhdYpj esa fy;k ços'k vQxkfuLrku ds 5 Nk= Hkh 'kkfey

tcyiqj] 31 tqykbZA जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत ऑन आई. सी.ए.आर. कोटे के अन्तर्गत एम.एस.सी. कृशि में देश–विदेश के कृशि छात्र–छात्राओं ने जनेकृविवि में प्रवेश लिया। साथ ही 4 विदेशी छात्रों ने कृशि शिक्षा हेतु प्रवेश लिया।

अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने बताया कि आज आवंटित एम.एस.सी. कृशि के विभिन्न विशयों हेतु नामांकन का कार्य प्रारंभ है। जिसके अन्तर्गत देश व विदेश के विभिन्न विवि के आये कृषि स्नातकों ने स्नाकोत्तर शिक्षा हेतु प्रवेश लिया है। इनका आई.सी.ए.आर. द्वारा आंवटित सीटों का रजिस्ट्रेशन एवं शुल्क का भुगतान होगा। अफगानिस्तान के 4 छात्र मो. नजर, इदार विशाह, बक्वामिर व हमदर्द फरहर आदि छात्रों ने एम.एस.सी. में प्रवेश लिया। अधिश्ठाता डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता ने बताया कि वेरीफिकेशन में छात्र–छात्राओं ने उत्साह से भाग ले रहे हैं एवं वेरीफिकेशन कमेटी द्वारा सत्यापन कार्य जारी है वेरीफिकेशन कमेटी में प्रमुख रूप से डॉ. जयन्त भट्ट, डॉ. एस.डी. उपाध्याय, डॉ. एस.के. द्विवेदी, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. शेखरसिंह बघेल, डॉ. दीपक राठी, डॉ. राकेश साहू, डॉ. यशपाल सिंह, श्री पी.एल. चतुर्वेदी, श्री आर.एस. स्वर्णकार, श्री राजेश श्रोती, श्री वीरेन्द पटेल, श्री अजय डोंगरे, लक्ष्मी आदि का विशेश योगदान रहा।

&000&